



JHARKHAND WOMEN'S SELF-SUPPORTING POULTRY CO-OPERATIVE FEDERATION LTD. (JWSPCFL)

Reg. No. – 6/HQR 31.03.2005



ANNUAL REPORT 2025-26



Address of Member Cooperatives of JWSPCFL

Co-operative	Address	Email
GGPS, Gumla	N.L. Malani Tower, Jashpur Road, Gumla (Jharkhand)-835207	manager.ggps@gmail.com
PGPS, Peterwar	At+Post – Petarwar, Opp. –Metro Market, Dist. Bokaro (Jharkhand) - 829121	incharge.pgps@gmail.com
LGPS, Lohardaga	Sri Sai Complex, Main Road, P.O+P.S Kuru, Dist. Lohardaga, (Jharkhand)- 835213\	incharge.lgpcs@gmail.com
TGPS, Torpa	Maninath Complex, Main Road, Torpa Dist:- Khunti, Jharkhand-835227	managertgpsltd@gmail.com
PGPS, Potka	Leela Shopping Mart, Vill:Chapidih, P.O:Juri, Block+P.S: Potka Dist: East Singhbhum, Jharkhand,831002	inchargepgpspotka@gmail.com
PGPS, Patamda	Vill – Kakidih, P.O – Kumir, Dist – East Singhbhum, Jharkhand – 832105	incharge.pgps@gmail.com
EMKS, Dumka	Lal Pokhara (Grant State), Rampur Hatt Road, Dumka-814101, (Jharkhand)	incharge.emksss@gmail.com
GGPS, Godda	At- Lohiya Nagar Godda (Behind Old DC Office) Dist-Godda State-Jharkhand Pin-814133	incharge.ggpsgodda@gmail.com
GAUS, Basia	Village - Bhagidera, P.O: Konbir Nawatoli, P.S: Basia, Block: Gumla - 835229	incharge.gaus@gmail.com

Address of Production Units of JWSPCFL

Brooder & Grower Unit	Vill – Bagesera, Post – Malai, Dist – Gumla - 835220	Layer Feed Plant	Vill – Silam Block, Raidih, Dist – Gumla, 835207
Layer Breeder Unit	Vill – Banai, Block – Basia, Dist – Gumla - 835229	Broiler Feed Plant	Mangalam Feeds, Vill – Saher, PS – Nagri, Ranchi - 835303
Hatchery	Vill – Khuntahara, P.O – Chargi, P.S. – Peterwar, Bokaro - 829121		

Acknowledgement

Department of Cooperative Societies, Govt. of Jharkhand
 Department of Animal Husbandry, Govt. of Jharkhand
 Directorate of Agriculture, Govt. of Jharkhand
 RABO Foundation, The Netherland
 National Cooperative Development Cooperation (NCDC)
 National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), Jharkhand
 Professional Assistance for Development Action (PRADAN)
 Madhya Pradesh Women Poultry Producer Company Limited (MPWPCL), Bhopal
 Industrial Development Bank of India (IDBI), Ashok Nagar Branch



Affiliated To -

National Smallholder Poultry Development Trust (NSPDT), Duplex no - 501, Rohit Nagar, Phase - I, Bawadiya Kalan, Bhopal (M.P.), PIN-462039

T a b l e o f C o n t e n t s



01

President's Speech

Page No. 2, 3, 4 & 5

02

About JWSPCFL

Page No. 6

03

About Cooperatives

Page No. 7

04

Governing Board

Page No. 8

05

Key Business Models

Page No. 9

06

Key Performance Metrix

Page No. 10

07

About NSPDT - Our Apex Organization

Page No. 11

08

Our Structure & HR

Page No. 12 & 13

09

Progress Report FY 25-26

Page No. 14 & 15

10

Women Success Stories

Page No. 16 & 17

11

**Financial Statement for
FY 2025-26 as at 31st March 2026**

Page No. 18 & 19

12

From Struggle to Development

Page No. 20

13

A picture is worth a thousand words

Page No. 21



21वीं वार्षिक आमसभा

वित्तीय वर्ष 2025-26

दिनांक : 28 सितम्बर 2026, दिन:- सोमवार

झारखंड महिला स्वावलम्बी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड, राँची

आप सभी को मेरा सादर जोहारा

झारखंड महिला स्वावलम्बी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड की अध्यक्ष के रूप में, मैं आज संघ की **21वीं वार्षिक आमसभा** में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथिगण, हमारी सहकारी समितियों की सभी सदस्यों, कार्यकारिणी की सदस्यों, सुपरवाइजरों, कर्मचारियों, सहयोगी संस्थाओं, बायर, सप्लायर एवं सभी स्टैकहोल्डर्स का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन करती हूँ।

इस अवसर पर मैं झारखंड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, कृषि निदेशालय तथा सभी जिला प्रशासन के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ, जिनका सहयोग और मार्गदर्शन हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है।

आज का दिन हमारे लिए केवल वार्षिक उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने का दिन नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम पिछले एक वर्ष की अपनी मेहनत, उपलब्धियों, चुनौतियों और आने वाले समय की दिशा पर एक साथ विचार करें।

हमारी संस्था की सबसे बड़ी ताकत कोई भवन, मशीन या व्यवसाय नहीं है। हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं—हमारी महिला सदस्य, हमारी सहकारी समितियाँ और उन सभी लोगों की मेहनत, जिन्होंने इस संस्था को अपना समझकर आगे बढ़ाया है।

पिछले वर्षों में हमने अनेक चुनौतियों का सामना किया है। विशेषकर कोविड के बाद की परिस्थितियों में पोल्ट्री व्यवसाय को स्थिर करना आसान नहीं था। लेकिन हमारी महिलाओं के धैर्य, समितियों के प्रयास और संघ की सामूहिक रणनीति के परिणामस्वरूप आज हम एक ऐसे मुकाम पर खड़े हैं, जहाँ वर्ष 2025-26 में संघ से जुड़ी सभी 9 सहकारी समितियाँ बेहतर वित्तीय स्थिति में हैं, एवं सदस्या मुर्गी पालन कर आत्मनिर्भर बन रही हैं।

हमारी संस्था की वर्तमान स्थिति

आज झारखंड महिला स्वावलम्बी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड से जुड़ी 9 सहकारी समितियों के 5,699 महिला सदस्य इस सामूहिक प्रयास का हिस्सा हैं।

हमारी समितियाँ मुख्य रूप से ब्रायलर एवं कमर्शियल अंडा उत्पादन के क्षेत्र में कार्य करती हैं। संघ का कार्य मात्र चिक्स एवं फीड बिक्री तक सीमित नहीं है, संघ समितियों को इनपुट आपूर्ति, तकनीकी सहायता, प्रबंधकीय एवं वित्तीय सहयोग, बाजार से मदद तथा वैधानिक सहयोग निरंतर उपलब्ध कराता है।

हमारा उद्देश्य हमेशा यही रहा है कि सहकारी समितियाँ मजबूत हों, उनके सदस्य आर्थिक रूप से सशक्त हों और पोल्ट्री व्यवसाय की पूरी वैल्यू चेन में अधिक से अधिक लाभ हमारे अपने सदस्यों तक पहुँचे।

वर्ष 2025-26 : उपलब्धियों का वर्ष

वित्तीय वर्ष 2025-26 हमारे संघ के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा।

इस वर्ष सभी समितियाँ एवं संघ को मिलाकर **कुल टर्नओवर ₹215 करोड़** रहा। यह उपलब्धि हमारे सदस्यों, समितियों एवं संघ के कर्मचारियों एवं सभी सहयोगियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

हमारी 9 सहकारी समितियों द्वारा इस वर्ष **कुल ₹122 करोड़ 71 लाख का व्यवसाय** किया गया।

सदस्यों को उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने और उनके योगदान का उचित लाभ पहुँचाने की दिशा में इस वर्ष **कुल ₹9 करोड़ 75 लाख ग्रांटर चार्ज** का भुगतान किया गया। यह राशि सीधे हमारे उत्पादक सदस्यों की मेहनत और उनकी भागीदारी को दर्शाती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि **सभी 9 सहकारी समितियाँ इस वर्ष लाभ में रहीं।** इन 9 समितियों को मिलाकर कुल लाभ **₹1 करोड़ 80 लाख 40 हजार 731 रुपये** रहा।

वहीं संघ का लाभ **₹34 लाख 46 हजार 444 रुपये** रहा।

इस प्रकार समितियों एवं संघ को मिलाकर हमारा कुल लाभ **लगभग ₹2 करोड़ 15 लाख** रहा।

साथ ही **व्यवसायिक मार्जिन** लगभग **₹11 करोड़ 90 लाख** रहा।

यह परिणाम हमारे लिए केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि सही रणनीति, लागत नियंत्रण, बेहतर प्रबंधन और सामूहिक प्रयासों से सहकारी संस्थाएँ कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती के साथ आगे बढ़ सकती हैं।

उत्पादन क्षेत्र एवं वैल्यू चेन को मजबूत करने की दिशा में प्रयास

वर्ष 2025-26 में हमारी सहकारी समितियों द्वारा कुल **10,907 मेट्रिक टन ब्रायलर मुर्गियों का उत्पादन** किया गया।

हमारी अंडा उत्पादन समिति द्वारा इस वर्ष लगभग **2 करोड़ 19 लाख कमर्शियल अंडों** का उत्पादन किया गया।

हमारी संस्था की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि हमने पोल्ट्री व्यवसाय की वैल्यू चेन के विभिन्न हिस्सों को अपने नियंत्रण में लाने का लगातार प्रयास किया है।

इस वर्ष हमारे ब्रीडर यूनिट में **50 लाख 368 हैचिंग अण्डों** का उत्पादन हुआ।

हमारी हैचरी में कुल **39 लाख 83 हजार 733 ब्रायलर चिक्स** का उत्पादन किया गया।

इसी प्रकार ब्रायलर के लिए **16,632.5 मेट्रिक टन फीड** तथा लेयर बर्ड्स के लिए **3641.4 मेट्रिक टन फीड** का उत्पादन किया गया।

इन-हाउस चूजों के उत्पादन के कारण इस वर्ष लगभग 70 प्रतिशत चूजों की आवश्यकता संस्था के अपने उत्पादन से पूरी हुई, जिससे पूरी वैल्यू चेन में लगभग 20 प्रतिशत लागत की बचत करने में सफलता मिली।

हमारा प्रयास है कि भविष्य में भी संस्था अपनी आंतरिक क्षमता को मजबूत करे और बाहरी निर्भरता को कम करते हुए अपने सदस्यों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और लाभकारी व्यवस्था तैयार करे।

अंडा समिति का सफल पुनर्गठन

इस वर्ष मैं विशेष रूप से हमारी अंडा समिति की उपलब्धि का उल्लेख करना चाहूँगी।

कोरोना काल में हुए नुकसान के बाद समिति के व्यवसाय की समीक्षा की गई। बेहतर व्यवसायिक रणनीति, कम लागत में बेहतर उत्पादन और कुशल संचालन द्वारा समिति को लगातार तीसरे वर्ष लाभ में रखने में सफलता मिली।

इस प्रक्रिया के माध्यम से लगभग **₹2 करोड़** के पुराने नुकसान की भरपाई की गई।

यह उपलब्धि हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यह संदेश मिलता है कि यदि किसी संस्था या व्यवसाय में कठिनाई आती है, तो हमें उससे निराश होने के बजाय उसके कारणों को समझकर सुधार की दिशा में काम करना चाहिए।

लागत में बचत और उसका लाभ सदस्यों तक

हमारा उद्देश्य केवल व्यवसाय का आकार बढ़ाना नहीं है। हमारा वास्तविक उद्देश्य है कि व्यवसाय में होने वाली बचत और दक्षता का लाभ अंततः हमारे सदस्यों तक पहुँचे।

संघ के द्वारा पिछले दो वर्षों में हमारी सहकारी समितियों को लगभग **₹2 करोड़** का ट्रेड डिस्काउंट दिया गया।

इसी प्रकार हाई-कॉस्ट NBFC ऋण को बैंक ऋण में स्थानांतरित करके लगभग 5 प्रतिशत ब्याज खर्च की बचत करने में सफलता मिली।

इन वित्तीय बचतों का लाभ केवल संस्था तक सीमित न रहे, बल्कि सदस्यों को भी मिले—इस दिशा में संस्था ने सदस्यों को नगद इंसेंटिव के रूप में **34 लाख 70 हजार रुपया** का प्रावधान किया गया है।

मेरे विचार से यही एक मजबूत सहकारी संस्था की पहचान है कि उसकी आर्थिक मजबूती का लाभ उसके सदस्यों तक पहुँचे।

सदस्यों और कर्मचारियों की बीमा सुरक्षा

हमारे लिए संस्था की आर्थिक प्रगति जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण हमारे सदस्यों और संस्था से जुड़े लोगों की सुरक्षा भी है।

इस वर्ष भी संघ से जुड़े सभी सदस्यों, सुपरवाइजर्स, स्टाफ एवं श्रमिकों का बीमा कराया गया।

यह कदम हमारे लिए केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

Grant to FPO Scheme के अंतर्गत सरकारी सहयोग

मैं इस अवसर पर झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के प्रति विशेष आभार व्यक्त करना चाहूँगी।

विभाग द्वारा संचालित “**Grant to Farmer Producer Organization (FPO) Scheme**” के अंतर्गत हमारी 9 समितियों में से 6 समितियों—गुमला, पोटका, लोहरदगा, बसिया, पेटरवार एवं दुमका—को कुल ₹66 लाख 12 हजार 800 रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई।

इस राशि का उपयोग समितियों द्वारा **कार्यशील पूँजी (Working Capital)** के रूप में किया जा रहा है।

यह सहयोग हमारी समितियों की वित्तीय क्षमता को मजबूत करने तथा उनके व्यवसाय को अधिक सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मैं इस सहयोग के लिए झारखंड सरकार एवं संबंधित विभाग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ।

हमारी सफलता के पीछे हमारी महिलाएँ

आज जब हम ₹215 करोड़ के टर्नओवर, करोड़ों रुपये के उत्पादन और लाभ की बात करते हैं, तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इन सभी आंकड़ों के पीछे हमारी **सभी महिला सदस्यों की मेहनत** है।

हमारी संस्था की असली पहचान ये आंकड़े नहीं, बल्कि वे महिलाएँ हैं जिन्होंने पोल्ट्री व्यवसाय को अपनाया, जोखिम उठाया, अपने परिवार के साथ मेहनत की और सहकारिता के माध्यम से अपने लिए आर्थिक अवसर तैयार किया।

हमारा विश्वास है कि जब महिला आर्थिक रूप से मजबूत होती है, तो उसका लाभ केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है।

इसलिए हमारी प्रत्येक उपलब्धि को हम केवल संस्था की उपलब्धि नहीं, बल्कि **हमारी महिला सदस्यों की सामूहिक उपलब्धि** मानते हैं।

आगे की दिशा

आज हम अपनी उपलब्धियों पर गर्व कर सकते हैं, लेकिन हमें यहाँ रुकना नहीं है।

हमारे सामने आने वाले समय में कई नई चुनौतियाँ और अवसर हैं।

हमें अपनी समितियों को और मजबूत करना है। उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखते हुए लागत को और कम करना है। बाजार की बदलती परिस्थितियों को समझते हुए बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था विकसित करनी है।

हमें अपनी इन-हाउस उत्पादन क्षमता का और बेहतर उपयोग करना है तथा सदस्यों को अधिक से अधिक आर्थिक लाभ पहुँचाने की दिशा में काम करना है।

हमारा प्रयास रहेगा कि—

उत्पादन बढ़े, लागत घटे,

गुणवत्ता बेहतर हो, बाजार मजबूत हो,

और सबसे महत्वपूर्ण—हमारे सदस्यों की आय और आर्थिक सुरक्षा बढ़े।

आभार

अंत में, मैं झारखंड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, कृषि निदेशालय, जिला प्रशासन तथा सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी सहयोगी संस्थाओं के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ।

मैं आज विशेष रूप से हमारे शीर्ष संस्था नेशनल स्माल होल्डर पोल्ट्री डेवलपमेंट ट्रस्ट (NSPDT) को धन्यवाद देती हूँ, जिनका सहयोग एवं मार्गदर्शन से हम लगातार प्रगति के पथ में हैं।

मैं आज प्रदान (PRADAN) संस्था को तहेदिल से धन्यवाद देना चाहती हूँ उनके द्वारा शुरू की समितियाँ एवं संघ जिनका व्यापार वित्तीय वर्ष 2004-05 में ₹3 करोड़ था आज वर्ष 2025-26 में ₹215 करोड़ हो गया।

मैं संघ से जुड़ी सभी 9 सहकारी समितियों की कार्यकारिणी सदस्यों, सभी महिला उत्पादक सदस्यों, सुपरवाइजर्स एवं संघ और समितियों के सभी कर्मचारियों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए धन्यवाद देती हूँ।

मैं हमारे सभी बायर, सप्लायर, बैंकिंग संस्थाओं एवं अन्य स्टैकहोल्डर्स का भी आभार व्यक्त करती हूँ, जिनका सहयोग हमारी संस्था को निरंतर मिलता रहा है।

आज मैं विशेष रूप से अपनी सभी महिला सदस्यों से कहना चाहती हूँ—

यह संस्था आपकी है।

इसकी सफलता आपकी सफलता है।

और इसका भविष्य भी आपके हाथों में है।

आइए, हम सब मिलकर सहकारिता की इस भावना को और मजबूत करें और झारखंड की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की इस यात्रा को और आगे लेकर जाएँ।

हमारा विश्वास है —

“सशक्त महिला, मजबूत सहकारिता और समृद्ध झारखंड।”

इसी विश्वास और संकल्प के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूँ।

आप सभी का पुनः हृदय से **जोहार एवं धन्यवाद।**

जय सहकारिता।

जय झारखंड।



पूर्णमा देवी

अध्यक्षा

झारखंड महिला स्वावलम्बी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड, राँची



Overview

Registered on 31st March 2005 under the Jharkhand Self Supporting Cooperative Societies Act, 1996, JWSPCFL functions as a federation of primary-level poultry cooperatives across Jharkhand. It aims to achieve economies of scale in procuring inputs, ensure improved compliance, and provide access to professional and technical support. The federation also serves as a platform for knowledge sharing and process improvement among member cooperatives, fostering solidarity and ensuring competitiveness through adaptability to techno-commercial changes in the poultry industry.

Focus and Membership

JWSPCFL's core initiative empowers rural marginalized women in Jharkhand, who are smallholder poultry farmers engaged in primary cooperative societies. These women serve as both members and shareholders. The cooperatives are federated into state-level secondary organizations, amplifying their collective impact. With a strength of 5,699 women poultry producers, JWSPCFL sustains the largest organized poultry operations in eastern India.

What we do?

Develop livelihood opportunities through rural poultry enterprises by standardizing the Smallholder Poultry (SHP) model, which offers significant potential for scaling and benefiting a large number of rural women in Jharkhand.

Who we are?

A strong institution of poultry enterprise run by rural marginalized women, creating a sustainable source of income for these communities.

एकता शक्ति प्रगति

Geographic Reach and Scale

Currently, the Federation consists of 9 member cooperatives operating in the following regions:



JWSPCFL Regional Network



Sl. No.	Member Co-operative	Registration No.	Total Member
1	Gumla Grameen Poultry Self- Supporting Co-operative Society Ltd.	JKD-01-02-01-OTH-006-2002, 29-11-2002	1155
2	Peterwar Grameen Poultry Self- Supporting Co-operative Society Ltd., Bokaro	JKD-02-02-02OTH-P/3,28/09/2004	873
3	Potka Grameen Poultry Self-Supporting Co-operative Society Ltd., East Singhbhum	JKD-01-03-04-OTH-002-2002,27-11-2002	469
4	Lohardaga Grameen Poultry Co-operative Society Ltd. Lohardaga	JKD-01-01-03-OTH-001-2002,29-11-2002	741
5	Torpa Grameen Poultry Self-Supporting Co-operative Society Ltd., Khunti	JKD-01-01-02-OTH-001-2002,03-12-2002	607
6	Godda Grameen Poultry Self- Supporting Co-operative Society Ltd.	JKD-03-03-01-OTH-001-2010,14-08-2010	348
7	Ekta Mahila Kukut palak Swawlambi Sahakari Samiti Ltd., Dumka	JKD-03-01-01-OTH-01,22/05/2009	835
8	Patamda Grameen Poultry Self- Supporting Co-operative Society Ltd., East Singhbhum	JKD-01-03-04-Poultry-01, 07/02/2011	370
9	Grameen Anda Utpadak Swawlambi Sahakari Samiti Ltd., Gumla	JKD/001/ 27/07/2018	301
Total			5699



Governing Board of the Federation

04

The governing board of the Federation consists of five members, who are elected from among the member co-operatives of Federation. The elected directors and the representatives of the board conduct board meeting periodically. The board reviews and plans the operation of the Federation. They take decisions on the proposals, plans and budgets presented by the Chief Executive Officer/Unit Manager. The Board Members discuss the grievances and concerns of the co-operatives and take forward the key points of discussion and decision to the co-operatives.

The present Board of the Federation was formed by the election held on 22nd August, 2022. The list of board directors are as follows:

Sl. No.	Name of member co-operative	Representative	Designation
1.	Gumla Grameen Poultry S.S. Co-operative Society Ltd.	Purnima Devi	President
2.	Lohardaga Grameen Poultry Co-operative Society Ltd.	Dayamani Devi	Vice-President
3.	Peterwar Grameen Poultry SS Co-operative Society Ltd.	Sushma Devi	Board Member
4.	Patamda Grameen Poultry Co-operative Society Ltd.	Chhaya Lata Manjhi	Board Member
5.	Grameen Anda Utapadak Swalambi Sahkari Samiti Ltd., Gumla	Ros Kullu	Board Member

05

KEY BUSINESS MODELS OF JWSPCFL

In order to assist the co-operatives in their business and develop the SHP Model in Jharkhand, it has been consistently working towards integration of backward and forward linkages. Presently the Federation owns a well-established backward linkage. The establishment of backward linkages for production helps to minimize the cost of production and ensures quality of input materials.



- 20,000 Capacity Brooder Farm
- 20,000 capacity Grower Farm
- 50,000 capacity farm of laying

Production -

In FY 2025-26 a total number of **50,00,368** hatching eggs were produced and transferred to Petarwar hatchery for chicks' production.

Poultry Breeder Unit

Capacity of producing 6 lakhs day old chicks (DOCs) each per month.

During FY 2025-26, a total of **39,83,733** - day-old chicks were produced by the Federation and a sales turnover of **Rs. 15,49,15,341/-** generated.

Hatchery Unit

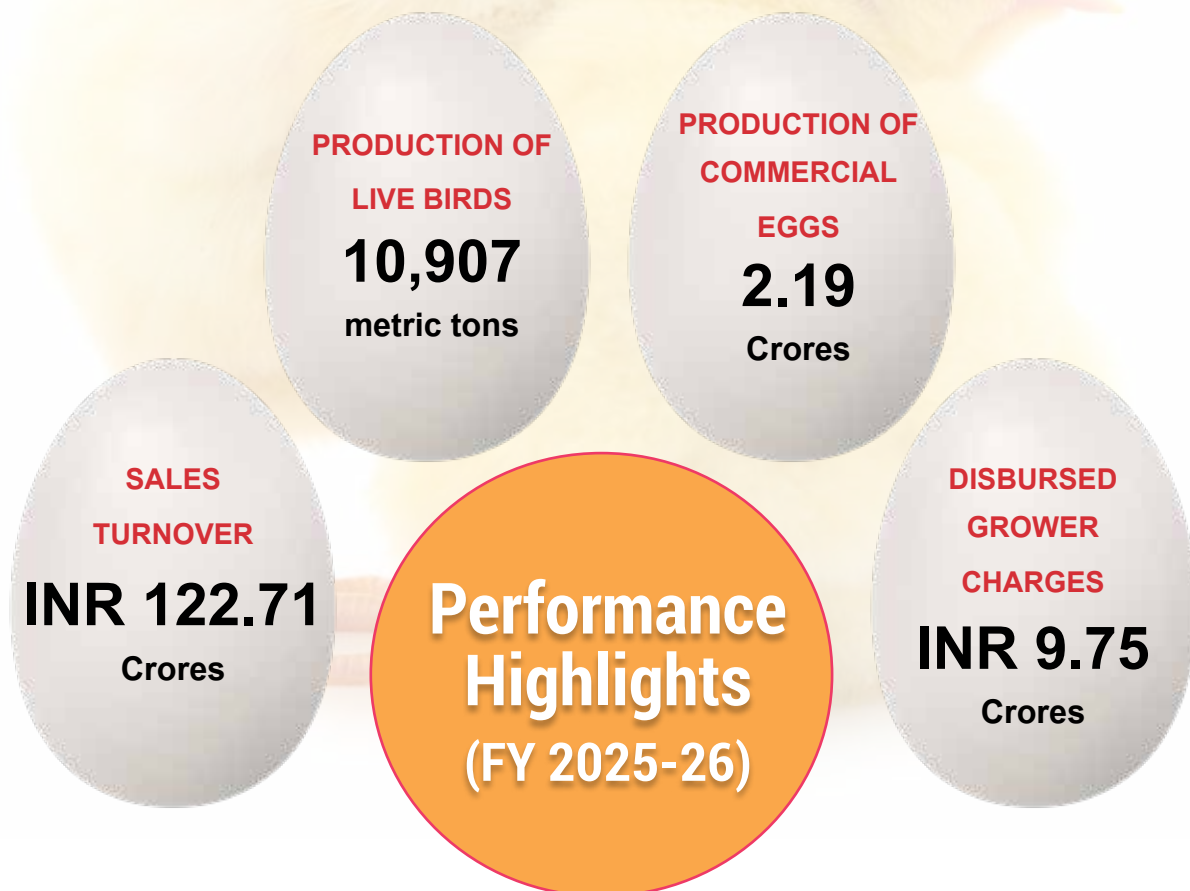
The poultry feed accounts for 70% of the total cost of production. The Federation operates feed mills at Nagri and Peterwar to cater the feed requirements of broiler units.

In the financial year 2025-26, our feed mills generated **16632** metric ton of broiler feed and **3641.4** layer feed. The feed mills registered a sales turnover of **Rs. 70,79,59,460/-**

Feedmill Unit

The Federation provides following supports to member cooperatives to fulfill its mission:

1. **Input linkages:** - The Federation has established backward integration facilities like breeder farm, hatchery & feed plant to supply quality chicks & feed to the collectives. Bulk procurement of medicine, vaccine, equipment's & ensuring quality raw materials at best prices is also the critical function of state federation.
2. **Techno-Managerial Support:** - Organizes training for producers and cooperative staff, provides trained professionals for managerial positions of cooperatives
3. **Financial & statutory Services:** - Mobilizes fund & working capital for new project and activity, conducts internal audits, ensures adherence to regulatory & statutory compliances.
4. **Marketing linkages:** - State federations have established dedicated marketing cell in their respective states to support the producer collectives in establishing market linkages and brand development.



VISION

To inspire, encourage, facilitate and promote emergence of an efficient **farmer owned network** of well organized empowered small-holder poultry farmers, setting the very best standards of professional excellence and wholesome development

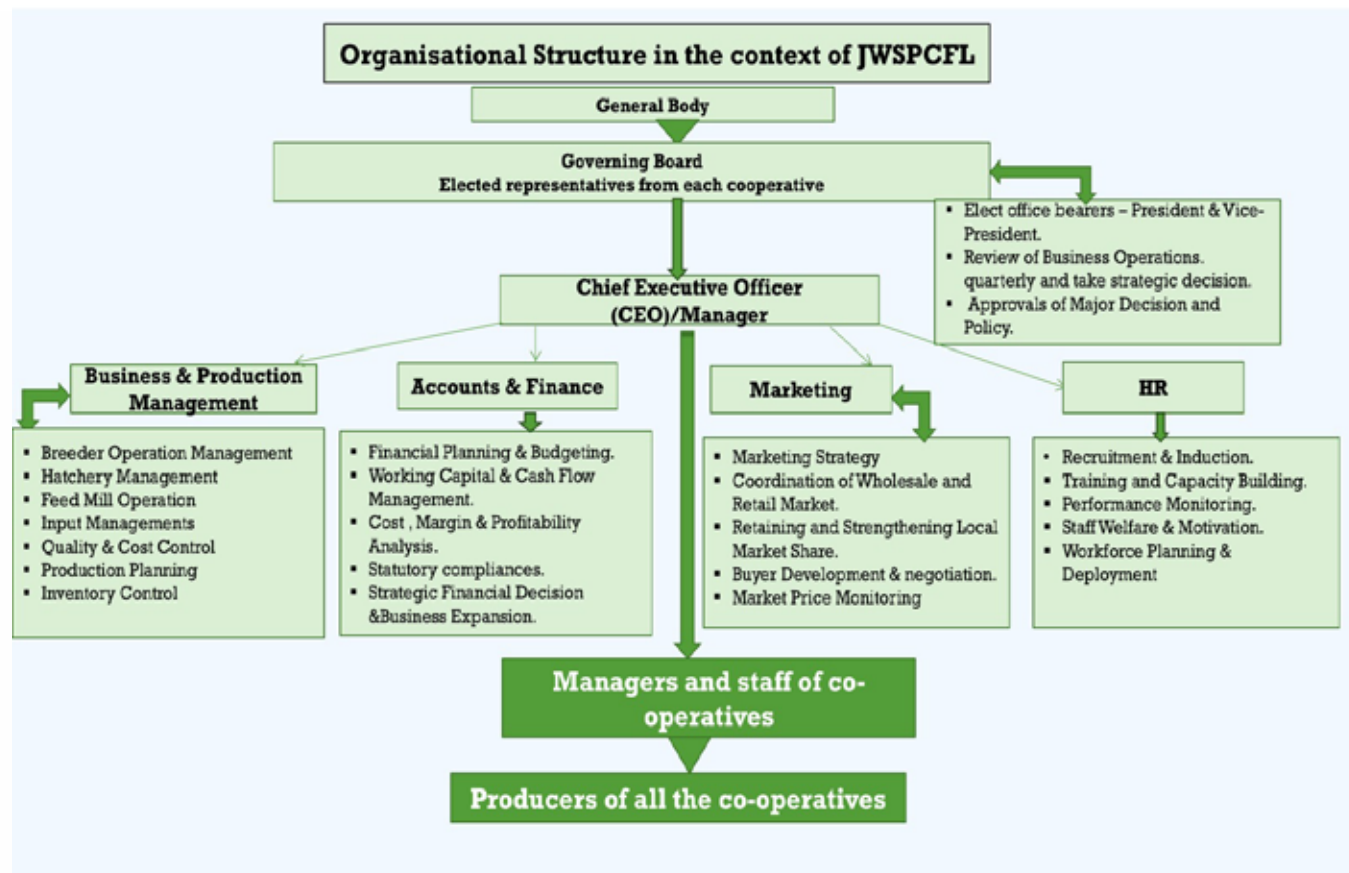
MISSION

Promote and advance small-holder poultry as an instrument of bettering lives and livelihoods of rural families

Roles: The following are the envisaged role(s) of the organization:

- To promote, protect and nurture the small holder poultry producers including launch new farmers
- Maintain system integrity and ensure compliance
- Sector Development Work including policy advocacy & mobilize public investments
- Support to State level Federation and business verticals, ensuring member-bias in business is retained

Category	Services Provided by NSPDT to Cooperatives & Federation
Procurement Support	- Simplifying raw material purchases - Coordinating with suppliers for bulk buying - Ensuring best quality at lowest rates
Human Resource Support	- Appointment of professional staff - Minimum one-year training program with salary & expenses - Regular technical and other training programs - Formulation and revision of HR rules
Quality Assurance	- Monitoring poultry feed quality with expert nutritionists - Monitoring chick quality with expert breeders & hatcheries
Business Review	- Quarterly review and guidance of cooperative operations and Federation
Technology & Innovation	- Introducing new poultry-related technologies and keeping cooperatives & Federation up to date
Financial Assistance	- Providing working capital support - Assisting poultry shed capacity expansion, Coordinating with financial institutions for loans and grants
Data & Accounting	- Facilitating the recording of transaction of cooperatives and the Federation through ERP & QMS
Guidance & Mentorship	- Acting as a guardian by continuously contributing and guiding cooperatives



Our Human Resource

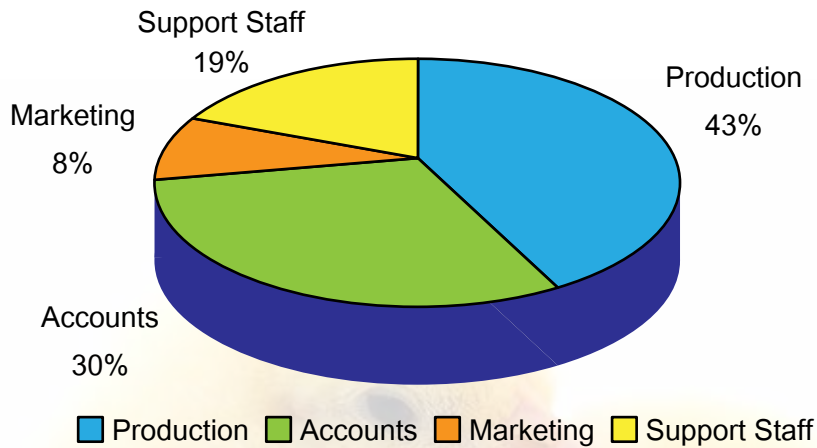


Efficiency in performance is integral to the smooth and quality functioning of any business. The smallholder poultry model competes with large-scale poultry industries; therefore, recruiting the best and most competent professionals at every level is essential. The Federation is committed to engaging quality professionals for both the Federation and its member co-operatives. To ensure continuous improvement, training and refresher programs are organized throughout the year to enhance operational efficiency and keep employees updated on the latest technologies and practices. Additionally, motivational training sessions are conducted to inspire employees to align their efforts with the Federation's vision — the upliftment and empowerment of rural marginalized women through sustainable poultry development.

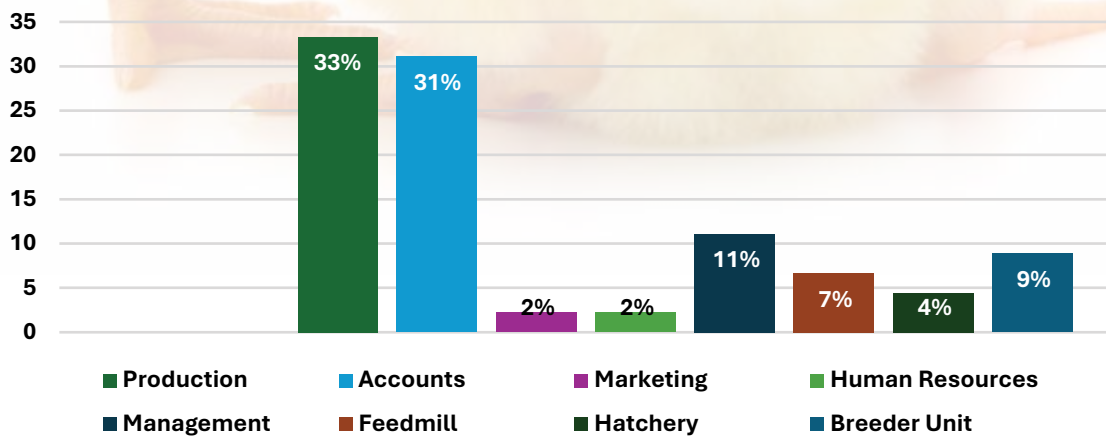
HR Department is always dedicated towards employee related process improvement and employee satisfaction. The main focus of Human Resource in the upcoming year of 2026-27 shall be to align the organizational objectives to individual goals through Performance Appraisal of all employees by reward and recognition.

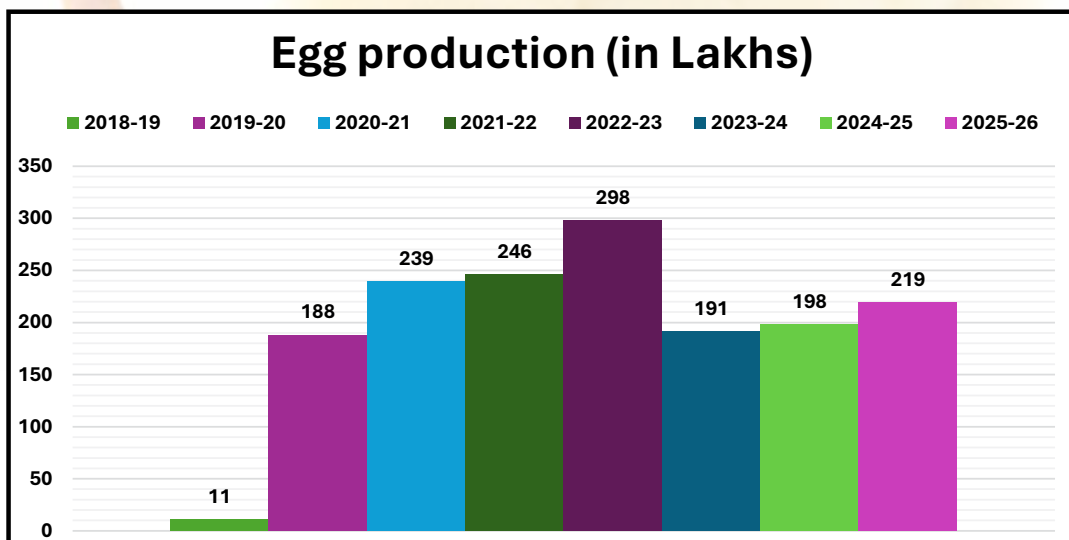
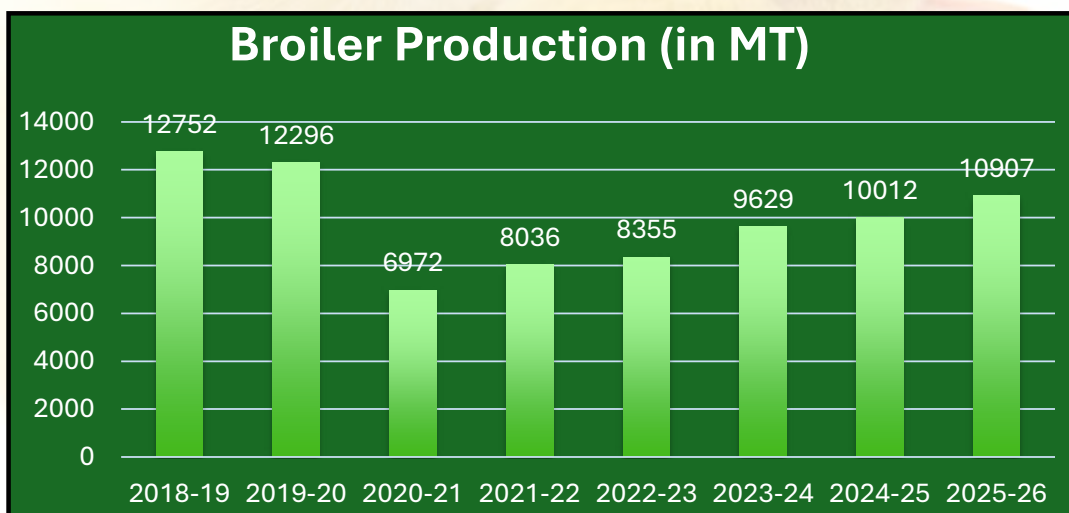
Our Team

Cooperative Employees Percentage Of Employees Department wise

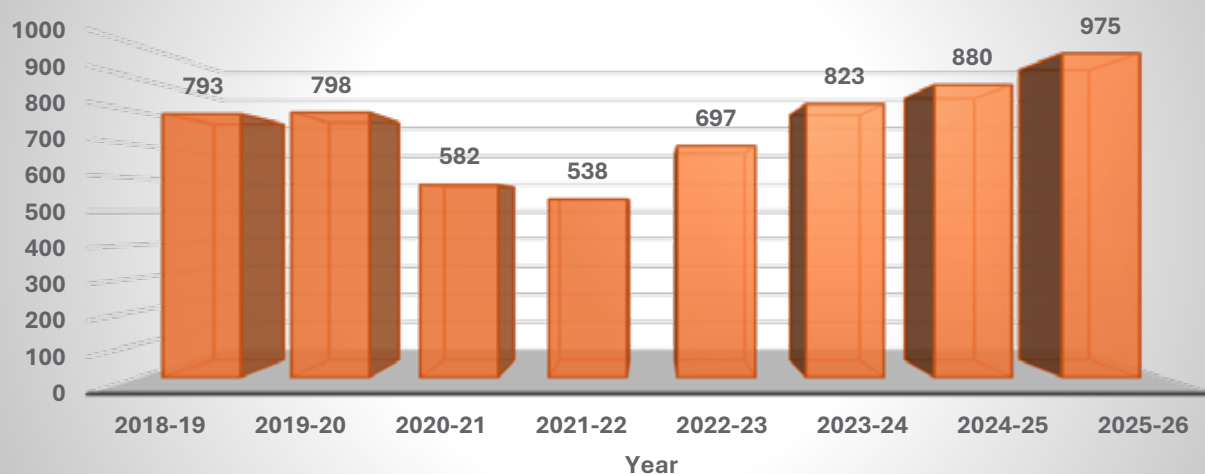


Federation Employees Percentage of Employees Department wise





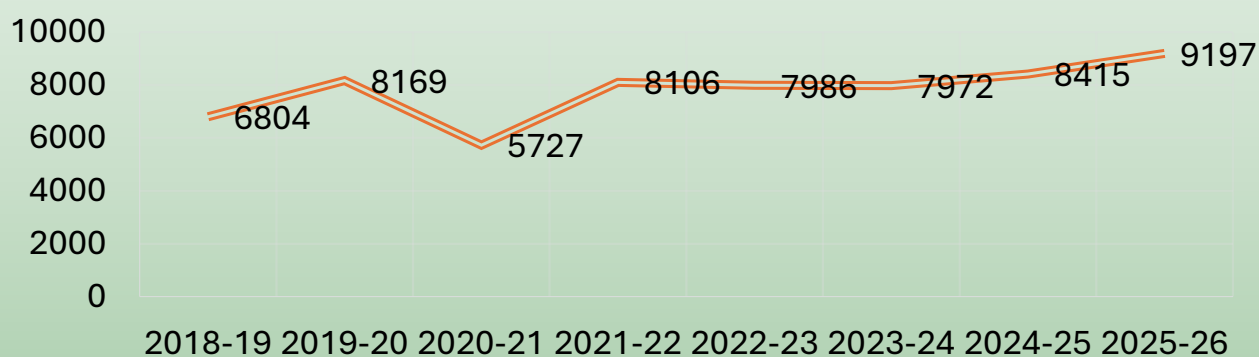
Grower charge (in Lakhs)



Cooperatives Sales Turnover in Lakhs



FEDERATION SALES TURNOVER IN LAKHS



महिलाओं की सफलता की कहानियाँ

10

राहिल होरो, चुंगु पंचायतटोली बसिया गुमला जिला की निवासी है, अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भर बनने की मजबूत इच्छा के साथ लेयर पोल्ट्री फार्मिंग कर ग्रामीण अंडा उत्पादक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, बसिया (GAUS) के सहयोग से उनकी एवं उनके परिवार की जिंदगी बदल गयी। वर्ष 2011 में विवाह के बाद, राहिल और उनके पति आमदनी बढ़ाने की कोशिश करते रहे, लेकिन खेती से केवल जीविका भर की आमदनी ही निकलती थी। महीने की आय मात्र ₹1,000-1,500 होने के कारण उनका जीवन काफी कठिन था। उनकी आजीविका मुख्य रूप से खेती एवं मजदूरी पर निर्भर थी, राहिल के पति अमन को गोवा और छत्तीसगढ़ में जाकर मजदूरी करना पड़ा, एवं राहिल स्थानीय स्तर पर मजदूरी कर किसी प्रकार अपना भरण पोषण करती थी। आचथमक तंगी इतनी बढ़ गई कि उन्हें अपनी जमीन का कुछ हिस्सा बेचना भी पड़ा। जिससे राहिल को स्वाभाविक रूप से यह एहसास हुआ कि उन्हें अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कुछ नया करना होगा। वर्ष 2014 में राहिल ने जायगीर महिला मंडल स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी बदलने की शुरुआत की। वर्ष 2016 में उन्होंने झारखंड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड राँची के माध्यम से पोल्ट्री व्यवसाय में जुड़ने का अवसर मिला, साथ ही JSLPS एवं संघ से उनको जोहार योजना की जानकारी मिली, उसके बाद राहिल ने समिति (GAUS) की सदस्यता ली। जोहार योजना के अंतर्गत वर्ष 2019 में लेयर फार्म निर्माण

हेतु ₹1,20,000 का अनुदान राशि और ₹40,000 ऋण लिया एवं पुल्लेट बर्ड्स के लिए समिति को 77.200 का अनुदान प्राप्त कर उन्होंने अपना लेयर पोल्ट्री फार्म शुरू किया और अंडों का उत्पादन कर उद्यमिता की ओर पहला कदम रखा। आज राहिल अपने मुर्गी फार्म में कार्य के अतिरिक्त गांव में सुपरवाइजर का भी कार्य भी कर रही है, जिससे बेहतर आय अर्जित करने में सफलता हासिल की है। अंडा उत्पादन और मुर्गीपालन से उनकी मासिक आय ₹8,000-9,000 तक पहुँच गई है, इसमें अन्य आय शामिल कर दी जाये तो अब उनकी आय लगभग ₹15,000 प्रति माह से अधिक हो गयी है। जिससे उनका एवं उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। पशुपालन एवं खेती से होने वाली आय को मिलाकर उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। साथ ही अपनी की जमीन जो बिक्री की थी उसे फिर से खरिद ली जिससे उनका पूरा परिवार काफी खुश है। आज राहिल न केवल अपने परिवार का सहारा बनी हैं, बल्कि गाँव की 15 से अधिक महिलाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही हैं। उनका सपना है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दे और उनका परिवार सुरक्षित भविष्य की ओर आगे बढ़े। उन्होंने यह भी महसूस किया है कि सामूहिक प्रयास, अवसर और सही मार्गदर्शन से महिलाएँ अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

राहिल होरो दृढ़ता और सशक्तिकरण की यात्रा



आत्मनिर्भरता की ओर एक प्रेरणादायक कदम ललिता मरांडी



दुमका जिले के डमरी गांव की ललिता मरांडी की जिंदगी कभी आर्थिक कठिनाइयों और जिम्मेदारियों से भरी हुई थी। पति के निधन के बाद दो बच्चों की परवरिश का भार अकेले उनके कंधों पर आ गया। लगभग 5 बीघा जमीन पर खेती ही उनका सहारा थी, लेकिन सीमित संसाधनों और आय की कमी से परिवार की जरूरतें पूरी करना बेहद मुश्किल था।

2021 में ललिता दीदी ने एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, दुमका से जुड़कर अपने जीवन की दिशा बदल दी। समिति ने उन्हें 600 चूजों के पालन के लिए मुर्गी घर की सुविधा और आवश्यक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने मुर्गी पालन की बारीकियाँ—चूजों की देखभाल, दाना-पानी, स्वच्छता और प्रबंधन—सीखी। शुरू में संकोच और आशंकाएँ थीं, लेकिन समिति के सहयोग ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया।

मुर्गी पालन से उन्हें सालाना लगभग ₹46,000 की अतिरिक्त आमदनी होने लगी। इस आय से उन्होंने अपने कच्चे घर की मरम्मत की, दरवाजे-खिड़कियाँ लगाईं और फर्श को पक्का कराया। सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि

उनके दोनों बच्चे अब हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं—कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा जारी रखना उनके लिए गर्व की बात है। नियमित आय ने ललिता दीदी को आत्मविश्वास दिया। अब वह धान, मक्का और सब्जियों की खेती भी कर रही हैं और अतिरिक्त उत्पादन को बाजार में बेचकर आय बढ़ा रही हैं। साथ ही, उन्होंने 6 बकरियाँ खरीदी हैं और उनका पालन कर रही हैं। इस तरह मुर्गी पालन उनके लिए केवल आय का साधन नहीं रहा, बल्कि खेती और परिवार को बेहतर ढंग से संभालने का आधार बन गया।

आज ललिता मरांडी गाँव की अन्य महिलाओं के लिए मेहनत, साहस और आत्मनिर्भरता की मिसाल हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएँ न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि समाज में अपनी पहचान भी बना सकती हैं।

“संघ एवं समिति ने मुझे सिर्फ मुर्गी पालन नहीं सिखाया, बल्कि मुझे आत्मनिर्भर बनना सिखाया है।”

— ललिता मरांडी

अर्चना तिकी

संघर्ष, साहस और स्वावलंबन की मिसाल

बचपन और विवाह

अर्चना तिकी अपने परिवार की लाडली थीं। माता-पिता, भाई-भाभी सबका स्नेह उन्हें मिला। आर्थिक कठिनाइयों का कभी सामना नहीं किया था। पढ़ाई बीच में छोड़कर उन्होंने प्रेम विवाह किया। शुरुआती दिनों में जीवन ठीक-ठाक चला, लेकिन जल्द ही बेरोजगारी और खेती की सीमित आय ने परिवार को आर्थिक संकट में डाल दिया।

संघर्ष और निराशा

खेती से गुजारा मुश्किल था। परिवार की जरूरतें पूरी नहीं हो रही थीं। पति-पत्नी के बीच तनाव बढ़ने लगा। पति शराब की ओर झुक गए और जीवन नरक सा प्रतीत होने लगा। इसी बीच अर्चना ने एक बेटे को जन्म दिया, जिससे ज़िम्मेदारियाँ और बढ़ गईं।

नई राह की तलाश

इसी कठिन समय में गुमला ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलम्बी सहकारी समिति लिमिटेड ने उन्हें रास्ता दिखाया। समिति ने बताया कि महिलाएँ पोल्ट्री फार्मिंग से स्वरोजगार कर सकती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। जोहार योजना और समिति के सहयोग से अर्चना ने 500 क्षमता का पोल्ट्री शेड बनाया। समिति से प्रशिक्षण मिला और उन्होंने पोल्ट्री फार्मिंग शुरू की। प्रत्येक बैच से 7-8 हजार रुपये की कमाई होने लगी। धीरे-धीरे परिवार में खुशियाँ लौट आईं और जीवन फिर से पटरी पर आने लगा।

संकट और सहारा

लेकिन खुशहाल जीवन ज्यादा दिन टिक नहीं पाया। पति की असमय मृत्यु ने अर्चना को गहरे सदमे में डाल दिया। वह पूरी तरह टूट चुकी थीं। इसी समय समिति और संघ ने उन्हें सहारा दिया। पति का बीमा, जो समिति और संघ द्वारा कराया गया था, से 50,000 रुपये मिले। साथ ही हरखमन दादा और अन्य साथियों ने उन्हें ढाढ़स दिया।

सुपरवाइजर बनने की उपलब्धि

पति की मृत्यु से पहले ही अर्चना समिति की सुपरवाइजर चुनी गई थीं। उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी और सुपरवाइजर का कार्य जारी रखा। आज वह पोल्ट्री फार्मिंग और सुपरवाइजर का कार्य करके 25-30 हजार रुपये मासिक कमा रही हैं। बेटे के भविष्य के लिए उन्होंने RD खाता भी खोला है।

समिति ही परिवार

पिछले साल फेडरेशन की आम सभा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दीदी उन्हें भी साथ लेकर गईं। वहाँ अर्चना ने महसूस किया कि वह अकेली नहीं हैं। समिति और संघ उनका अभिन्न परिवार है। उनका कहना है -

"जब तक समिति व संघ मेरे साथ है। तो उदासीनता का कोई स्थान नहीं है।"



Financial Statement for FY 2025-26 as at 31st March 2026

11

Jharkhand Women Self Supporting Poultry Co-operative Federation Ltd,Ranchi				
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2026				
A.	EQUITY & LIABILITIES	NOTE No.	2025-26 Rupees	2024-25 Rupees
I	Fund Liabilities			
a	Share Capital	1	8,01,87,000.00	7,29,62,000.00
b	Members Fund	2	89,69,000.00	89,69,000.00
c	Reserves & Surplus	3	1,21,62,031.15	98,86,451.11
d	Grant Received	4	3,03,54,073.31	3,27,26,545.16
II	Non Current Liabilities			
a	Long Term Borrowings	5	8,02,32,566.56	8,10,62,614.56
b	Short Term Borrowings	6	8,84,69,267.71	7,40,24,610.97
III	Current Liabilities			
a	Trade Payables	7	13,47,85,460.41	15,55,32,949.65
b	Short Term Provisions	8	3,18,90,627.71	2,12,78,886.50
c	Other Non Current Liabilities	9	1,95,77,941.60	1,95,77,941.60
	TOTAL	Rs.	48,66,27,968.48	47,60,20,999.10
B.	ASSETS			
I	Non Current Assets			
a	Tangible Assets	10	10,91,39,698.28	10,99,75,945.53
b	Investments	11	6,00,66,396.51	5,50,96,852.73
II	Current Assets			
a	Inventories	12	7,52,30,185.32	7,26,63,378.18
b	Trade Receivables	13	21,55,15,626.55	21,19,52,159.05
c	Cash & Cash Equivalents	14	26,30,706.23	42,90,549.02
d	Short Term Loans & Advances	15	2,40,45,355.59	2,20,42,115.59
	TOTAL	Rs.	48,66,27,968.48	47,60,21,000.10
AS PER SEPARATE REPORT ON EVEN DATE				
For Jharkhand Women's Self Supporting Poultry Cooperative Federation LTD.				
Accounts Manager C.E.O/Unit Manager			FOR S.K.JHA & ASSOCIATES. CHARTERED ACCOUNTANTS	
Place : Ranchi Date : 05/09/2026			CA RAJIV N CHOUDHARY PARTNER(M.No.400280) FRN-006189C	
UDIN- 26400280NGCBUC3143				

Jharkhand Women Self Supporting Poultry Co-operative Federation Ltd.Ranchi

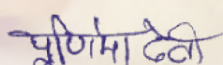
PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2026

S.No.	PARTICULARS	NOTE No.	2025-26 <u>Rupees</u>	2024-25 <u>Rupees</u>
A	<u>REVENUE</u>			
I	Revenue from Operations	16	91,97,91,761.71	84,15,16,918.56
II	Other Income	17	81,79,318.50	63,66,191.94
B	Total Revenue		92,79,71,080.21	84,78,83,110.50
C	<u>EXPENDITURE</u>			
I	Material Consumed	18	79,23,04,687.09	73,52,92,781.77
II	Manufacturing Expenses	19	7,14,47,120.64	6,41,82,002.30
III	Employees Benefit Expenses	20	2,78,77,400.00	2,33,59,760.00
IV	Administrative & Selling Expenses	21	1,53,77,220.64	56,13,104.66
V	Financial Expenses	22	80,38,694.47	84,14,642.96
VI	Depreciation	9	94,79,513.43	91,50,067.84
D	Total Expenses		92,45,24,636.27	84,60,12,359.53
E	Profit for the year before Taxation		34,46,443.94	18,70,750.97
F	Short Provision of Income Tax Previous Year		2,28,789.90	1,52,453.00
G	Provision for Income Tax of current Year		6,00,000.00	3,50,000.00
H	Profit After Tax Transferred to Balance sheet		26,17,654.04	13,68,297.97

AS PER SEPARATE REPORT ON EVEN DATE

For Jharkhand Women's Self Supporting Poultry Cooperative Federation Ltd.

FOR S.K.JHA & ASSOCIATES.
CHARTERED ACCOUNTANTS

 लेखा अधिकारी
झारखण्ड महिला स्वावलम्बी
पोल्डी सहकारी संघ लि०, राँची
Accounts Manager
  यूनिट मैनेजर
झारखण्ड महिला स्वावलम्बी
पोल्डी सहकारी संघ लि०, राँची
C.E.O/Unit Manager
  अध्यक्ष
झारखण्ड महिला स्वावलम्बी
पोल्डी सहकारी संघ लि०, राँची
President
 

 CA RAJIV K CHOUDHARY
PARTNER(M.No.400280)
FRN-006189C

Place : Ranchi

Date : 05/09/2026

UDIN - 26400280NGCBUC3143

आत्मनिर्भर नारी, खुशहाल परिवार, समृद्ध गाँव मुर्गी पालन से स्वरोजगार ने बदली जीवन की रफ्तार



गाँव की गरीब, कम पढ़ी-लिखी और सीमित संसाधनों वाली महिलाओं द्वारा मुर्गी पालन को स्वरोजगार

के रूप में अपनाकर आर्थिक एवं सामाजिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाए जा रहे कदम वास्तव में प्रेरणादायक हैं। यह केवल आय का साधन नहीं, बल्कि परिवार की खुशहाली, बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के आत्मविश्वास से जुड़ी एक नई शुरुआत है।

संघर्ष से बदलाव की ओर

जिला मुख्यालय गुमला से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रामडेगा, कुलाडूबा, कोनकेल, जोकारी और मोकरा जैसे गाँव जंगल, झाड़ियों और पहाड़ों से घिरे हुए हैं। इन गाँवों में अनुसूचित जनजाति समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है। शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के कारण अधिकांश परिवारों की आजीविका मुख्यतः खेती-बारी पर निर्भर रही है।

बढ़ती जनसंख्या, महंगाई और सीमित आय के बीच परिवार का भरण-पोषण कठिन होता जा रहा था। रोजगार के अभाव में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं के लिए पलायन मजबूरी बनता जा रहा था। दूसरी ओर, हरिया-दारू का बढ़ता सेवन, शिक्षा का अभाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ और अंधविश्वास सामाजिक विकास की राह में बड़ी बाधाएँ बने हुए थे।

इन परिस्थितियों में गाँव की महिलाओं के मन में बार-बार एक ही सवाल उठता था—

“क्या हम अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं दे पाएंगे?”

क्या हमारा सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास कभी संभव नहीं होगा?”

बदलाव की दस्तक

इन्हीं विषम परिस्थितियों के बीच गुमला ग्रामीण पोल्ट्री स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बदलाव की नई किरण पहुँचाई। समिति ने गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने का संदेश दिया।

झारखंड सरकार के आकांक्षी जिला योजना के अंतर्गत समिति द्वारा 60 मुर्गी घरों के निर्माण की योजना की जानकारी दी गई। फार्म निर्माण के साथ-साथ समिति ने लाभार्थियों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया। धीरे-धीरे फार्मों का निर्माण पूरा हुआ और गाँव की महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक नया रास्ता खुला।

प्रशिक्षण से आत्मविश्वास तक

मुर्गी पालन शुरू करने से पहले समिति द्वारा सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं ने मुर्गियों की देखभाल, दाना प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, साफ-सफाई तथा उत्पादन प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

आज यही महिलाएँ सफलतापूर्वक ब्रायलर मुर्गी उत्पादन कर रही हैं और प्रत्येक बैच से लगभग ₹10,000 से ₹15,000 तक का लाभ अर्जित कर रही हैं।

यह आय उनके लिए केवल पैसा नहीं है; यह आत्मविश्वास, सम्मान और अपने भविष्य पर अधिकार का माध्यम बन गई है।

अब सपना बड़ा है

मुर्गी पालन से मिली सफलता ने महिलाओं के सपनों को भी बड़ा कर दिया है। कई सदस्य अब एक और फार्म बनाने और भविष्य में प्रत्येक बैच से ₹25,000 से ₹30,000 तक की आय अर्जित करने की योजना बना रही हैं।

आज इन परिवारों के जीवन में एक स्पष्ट बदलाव दिखाई देता है -

अब पलायन कम हुआ है। बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। परिवार के स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिल रही है। हरिया-दारू के सेवन में कमी आई है। अंधविश्वास से बाहर निकलने की सोच मजबूत हुई है।

“मेरी बेटियाँ पढ़ रही हैं... और इसकी फीस मेरी मुर्गियाँ जमा कर रही हैं”

एक महिला सदस्य भावुक होकर कहती हैं—

“मैं अपनी दोनों बेटियों को रांची जैसे बड़े शहर में पढ़ा रही हूँ। यह मैं नहीं, मेरी ब्रायलर मुर्गियाँ पढ़ा रही हैं। क्योंकि अगर मैं मुर्गी पालन नहीं करती, तो यह मेरे लिए संभव नहीं था।”

यह कथन बताता है कि एक छोटा-सा पोल्ट्री फार्म किस तरह पूरे परिवार के भविष्य को बदल सकता है।

हुनर से पहचान, आत्मनिर्भरता से सम्मान

आज इन गाँवों की महिलाएँ केवल मुर्गी पालने वाली महिलाएँ नहीं हैं। वे अपने परिवार की आर्थिक मजबूती की आधारशिला हैं, अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की निर्माता हैं और गाँव में सामाजिक परिवर्तन की नई मिसाल बन रही हैं।

“हाथों में हुनर, आँखों में उड़ान,
पोल्ट्री फार्म ने दी नई पहचान।”

एकता • शक्ति • प्रगति

a picture is worth a thousand words



Sarita Devi, Member of Gumla Grameen Poultry Cooperative Society Ltd. Invited for active participation as a Panelist in a panel discussion arranged by Agriculture, Animal Husbandry & Cooperative Department, Jharkhand Government on the topic of "Women in Agriculture in Jharkhand" at Jharkhand Krishi Vyapar Mela 2026.



Mr. Akhilesh Kumar Verma, Manager, JWSPCFL as a Panelist in an important discussion on the topic of "Doubling Poultry and Egg Production in Jharkhand by 2030" at Jharkhand Krishi Vyapar Mela 2026 which can have huge impact on Jharkhand Poultry and Egg Production in near future.



Outstanding FPO Performance Award presented to Gumla Grameen Poultry Cooperative Society Ltd. by Honourable D.C. (Gumla), Shri Dileshwar Mahto



FPO Promotion Grant awarded to Grameen Anda Utpadak Sahkari Samiti Ltd. by Honourable Minister of Agriculture, Animal Husbandry & Co-operative of Jharkhand, Ms. Shilpi Neha Tirkey



Board Meeting of JWSPCFL attended by all staff of Federation



JWSPCFL had the privilege to showcase its model in the stall provided by our Jharkhand Government



संघ का गीत

सपने जोड़ो बंधन तोड़ो, अब तो आगे बढ़ना है ।
अभी तो थोड़ी दूर चले है, आगे बहुत निकलना है ।
मिलकर हमने अब अपनी एक पहचान बनायी है ।
सपना पूरा होगा एक दिन हम में हिम्मत आई है ।
हाथ मिलाओ, साथ मिलाओ, अभी तो आगे बढ़ना है ।
अभी तो थोड़ी दूर चले है, आगे बहुत निकलना है ।
दूर अभी मंजिल बहुत है, और ऊँची बहुत चढ़ाई है ।
एक दिन हम छु लेंगे शिखर, हम में हिम्मत आई है ।
नारे जोड़ो, चुप्पी तोड़ो अब मुश्किलों से लड़ना है ।
अभी तो थोड़ी दूर चले है, आगे बहुत निकलना है ।

संघ के नारे

हाथों को रोजगार, महिलाओं को सम्मान ।
यही हमारी संघ की पहचान ।
गरीब नारियों को जोड़ना है, मुर्गीपालन बढ़ाना है ।
हर गाँव को करेंगे आबाद, भारतीय नारी जिंदाबाद ।
महिलाओं की है पुकार, मुर्गी पालो करो सुधार ।
बंद करो ये झगड़ा, हमारा मुर्गा सबसे तगड़ा ।
महिला शक्ति जगायेंगे, मुर्गी उत्पादन बढ़ाएंगे ।
ये संघ का नारा है । ये संघ हमारा है ।



With Best Compliments from

📍 House No. 34/C, Park Road, Road No. 1, Ashok Nagar, Ranchi, Jharkhand – 834001

🌐 <https://www.facebook.com/profile.php?id=61587933426132>

🌐 <https://www.linkedin.com/company/jharkhand-women-self-supporting-poultry-cooperative-federation-limited/>

✉ hr@jwspcfl.com, jwspcfl@nspdt.org

🌐 jwspcfl.com